Expenditure Tax and Wealth Tax in Punjab

1588. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of Finance be pleased to state the number of assessees of expenditure tax and wealth tax in Punjab during 1958-59?

The Minister of Finance (Shri Morarji Desai): The number of assessees of Expenditure Tax and Wealth Tax in Punjab during 1958-59 were 67 and 853 respectively.

Delhi Polytechnic

1589. Shri A. K. Gopalan: Will the Minister of Scientific Research and Cultural Affairs be pleased to refer to the reply given to Unstared Question No. 2705 on 11th September, 1959 and state:

(a) Whether it is a fact that the candidates who have passed the part-time National Diploma Course in Commerce from Delhi Polytechnic have represented to the authorities in regard to grant of Diplomas to them; and

(b) if so, the action taken thereon?

The Deputy Minister of Scientific Research and Cultural Affairs (Dr. M. M. Das): (a) Four part-time students of the Delhi Polytechnic, who passed the National Diploma Examination in Commerce in 1957 and 1958, represented that in case of part-time students their paid service in commercial establishments should be regarded as sufficient for fulfilling the requirement of practical training for the award of the diploma and that the award of their own diplomas should be expedited on these grounds.

(b) After an examination of the nature of work done in their jobs, it has been decided to award diplomas to three of the four candidates who represented. A report on the fourth candidate has yet to be received from the Institution.

The request for general acceptance of all paid service in lieu of training in the case of part-time students will be put up to the Commerce Board of All India Council for Technical Education for consideration.

Grants-in-aid to Kasauli and Dagshai Cantonments

1590. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) the total amount allotted by the Government of India to the Kasauli and Dagshai Cantonment Boards as grants-in-aid for implementing their development schemes for the year 1959-60; and

(b) the details of these schemes?

The Minister of Defence (Shri Krishna Menon):

(a) Dagshai . . . . . Nil.

Kasauli . . . Rs. 49,445

Details of work	*Amount sanctioned Rs.*
1. School building and furniture	4,580
2. Reading room . .	900
3. Construction of incinerator	1,730
4. Construction of drains .	8,670
5. Remodelling of roadside drains	4,295
6. Street lights . . .	8,500
7. Repairs to roads . .	20,770
TOTAL .	49,445

जीवन बीमा निगम की पंचवर्षीय योजना

१५९१. श्री श्रीनारायण दास :
श्री दी० चं० शर्मा :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जीवन बीमा निगम ने अपने कारोबार को बढ़ाने के लिये अपनी

पंचवर्षीय योजना को कार्यान्वित करने के हेतु साधन जुटाने, संगठन कायम करने, कार्यकर्त्ताओं को प्रशिक्षित करने आदि के बारे में कोई कार्यक्रम तैयार करने के प्रश्नों पर विचार किया है;

(ख) उस कार्यक्रम की मुख्य रूप-रेखा क्या है; और

(ग) इस कार्यक्रम को पूरा करने के लिये निगम का वार्षिक तथा वित्तीय दायित्व कितना बढ़ जायेगा ?

वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई): (क) और (ख). जी हां। निगम अपनी पंचवर्षीय विकास योजना के अधीन अपने साधनों के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल की कई योजनाओं पर विचार कर रहा है। कार्यक्रम की खास बातें ये हैं :

(१) बीमा कराने वालों की और ज्यादा सेवा करने के लिये नयी शाखा और उप-कार्यालय खोलना;

(२) नये इलाकों में क्षेत्रीय अधिकारियों (फील्ड अफसरों) की नियुक्ति करना;

(३) काफ़ी तादाद में स्थानीय एजेंटों की भरती करना और उन्हें ट्रेनिंग देना;

(४) चलती फिरती गाड़ियों, फिल्मों, गांवों में लगने वाले मेलों और देहाती प्रदर्शनियों के द्वारा प्रचार-कार्य की वृद्धि, खास कर देहात में।

(५) बीमा कराने वालों द्वारा प्रीमीयम जमा किये जाने के लिये अधिक सुविधाएं;

(६) काफी संख्या में स्वास्थ्य परीक्षकों की भरती;

(७) विकास और प्रशासनिक कर्मचारियों की ट्रेनिंग।

(ग) निगम का अनुमान है कि उसे सब मिला कर जितना खर्च करने की अनुमति है, इस कार्यक्रम को चलाने में उसे उससे बहुत ज्यादा खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हिन्दी में निकाले गये सरकारी आदेश आदि

१५९२. **श्री प्रकाश वीर शास्त्री :** क्या गृह-कार्य मंत्री १९ अगस्त, १९५९ के अतारांकित प्रश्न संख्या १०७६ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों में विभिन्न मंत्रालयों में चतुथ श्रेणी के कर्मचारियों के सम्बन्ध में कितने आदेश परिपत्र, ज्ञापन आदि निकाले गये,

(ख) कितने परिपत्र आदि हिन्दी में निकाले गये और उनमें से कितने दोनों भाषाओं में निकाले गये ; और

(ग) अंग्रेजी में निकाले गये आदेशों, परिपत्रों आदि के हिन्दी रूपान्तर तैयार न करने के यदि कोई कारण हों, तो वे क्या हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : (क) से (ग). मांगी हुई सूचना की एक विवरण सभापटल पर रखा जाता है। [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या ५४]

Janata Colleges in Orissa

1593. Shri Panigrahi: Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to start Janta Colleges in Orissa during the remaining years of the Second Plan; and

(b) if so, how many and where?

The Minister of Education (Dr. K. L. Shrimali): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Preservation of Vegetables

1594. Shri Shree Narayan Das: Will the Minister of Scientific Research and Cultural Affairs be pleased to refer to answer given to Unstarred